बीएपीएएच

लोक प्रशासन कला स्नातक उपाधि कार्यक्रम (ऑनर्स)

(बीएपीएएच)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2024 सत्र व जनवरी 2025 सत्र

बी.पी.ए.सी.113 : विकास प्रशासन

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आप को कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में किया जाता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन; और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परीणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठयक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूलयांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में बी.ए.पी.ए.एच. पाठ्यक्रम के 5 सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं, जो 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यान पूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन व कौशल में सुधार होगा तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है कि आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की आखरी तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	मार्च 31 2025	**अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास**
जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	सतंबर 30 2025	

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आप को लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

   ग) उत्तर आपके भाव, शैली, और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो **जा** तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ !

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

बी.पी.ए.सी.113 : विकास प्रशासन

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठयक्रम कोड : बी.पी.ए.सी 113

पूर्णांक : 100

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में तीन भाग हैं। आपको तीनों भागों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य –I

निम्न प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. विकास प्रशासऩ के अर्थ और परिभाषा के साथ इसके कायक्षेत्र की व्याख्या कीजिए।

2. लोक प्रशासन के लिए एक समकालीन दृष्टिकोण के रूप में विकास प्रबंधन की चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य –II

निम्न प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

3. राजनीतिक दलों की विकास प्रशासन में क्या भूमिका हैं?
4. भारत के एक प्रशासनिक संस्था के रूप में राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान के बारे में विस्तृत रूप से बताएं।
5. स्थानीय निकायों की विकास प्रशासन में भूमिका का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य –III

निम्न प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

6. स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका के संबंध में एक टिप्पणी लिखिए।

7. समुदाय आधारित संगठन की प्रासंगिकता और स्वरूप के साथ.साथ स्वयं सहायता समूह दृष्टिकोण के तीन आयामों की व्याख्या कीजिए।

8. समुदाय आधारित संगठन पर एक केस अध्ययन लिखिए।

9. ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता, एवं पोषण स मति (वी.एच.एस.एन.सी) पर एक सं क्षप्त चर्चा कीजिए।

10. प्रशासनिक सुधार को परिभाषित कीजिए और इसकी आवश्यकता का वर्णन कीजिए।